तर्ज-मुझे रास आ गया

सतगुरू तुम्हारे प्यार नें रंग ऐसा भर दिया
हुकमें इलम ने सब कुछ,इत ही बता दिया

1- रहते हैं जलवे आपके,नजरों में हर घड़ी
वाणी का जाम आपने,ऐसा पिला दिया

2- भूली हुई थी आपके चरणों में बैठ कर
निसवत ने मुझको आपके काबिल बना दिया

3- मेहेरे करम से अपने कुछ ऐसा कर दिया
चरणों में बैठे बैठे चितवन करा दिया

4- गुझ भेद सारा दिल तुमने बता दिया
अर्स दिल में हमने न्यामत को पा लिया

Nijanand App